Roll No. ....

MASL–102

संस्कृत भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप का वर्णन करते हुए अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।
2. ध्वनि विज्ञान क्या है, को परिभाषित करते हुए ध्वनि विज्ञान की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
3. ध्वनि परिवर्तन को परिभाषित करते हुए सकारण ध्वनि परिवर्तन पर विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. 'गुरु' शब्द के चतुर्थी विभक्ति के तीनों रूपों की सूत्रोल्लेखपूर्वक व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पद किसे कहते हैं तथा उनके कितने प्रकार हैं ? स्पष्ट कीजिए।
2. 'सर्वेषाम्' शब्द की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए।
3. समकालिक प्रयत्न ध्वनियों को स्पष्ट कीजिए।
4. 'हरि' शब्द के सभी विभक्तियों के रूप लिखिए।
5. ग्रासमान नियम का वर्णन कीजिए।
6. अनुनासिकीकरण क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
7. मूर्धन्य वर्णों को बताइए।
8. 'सर्वस्मिन्' शब्द की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'रामे' कहाँ का रूप है ?

   (अ) पञ्चमी एकवचन

(ब) सप्तमी एकवचन

(स) द्वितीया एकवचन

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. 'पितृ' शब्द के षष्ठी एकवचन का रूप है—

(अ) पितुः (ब) पिता

(स) पित्रा (द) पित्रोः

3. 'कृत्तद्धितसमासाश्च' सूत्रविधान करता है—

(अ) प्रातिपदिकार्थ में प्रथमा विधायक

(ब) प्रातिपदिक संज्ञा

(स) अङ्गसंज्ञा

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. आख्यातपद से गृहीत है—

(अ) रामः (ब) पुस्तकम्

(स) पठति (द) कार्यम्

5. 'भवतः' में प्रत्यय है—

(अ) थस् (ब) वस्

(स) तस् (द) मस्

6. सुप्प्रत्यय होते हैं—

(अ) 18 (ब) 21

(स) 22 (द) 03

7. 'गुरु' शब्द है—

(अ) पुल्लिङ्ग (ब) स्त्रीलिङ्ग

(स) नपुंसकलिङ्ग (द) इनमें से कोई नहीं

8. 'रमायै' रूप है—

(अ) पञ्चमी एकवचन

(ब) चतुर्थी एकवचन

(स) षष्ठी एकवचन

(द) तृतीया एकवचन

9. तृतीया का एकवचन रूप है—

(अ) हरिणा

(ब) हरिभ्याम्

(स) हरिभिः

(द) हरये

10. 'विज्ञान' शब्द में मूल धातु है—

(अ) ज्ञप

(ब) ज्ञा

(स) जा

(द) इनमें से कोई नहीं